Guru Jambheshwar University of Science & technology Hisar.
In news In May 2018

गुजवि कैम्पस प्लेसमैंट में 12 छात्रों का चयन

हिसार, 1 मई (पंकेस): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल द्वारा पूल-कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव का आयोजन किया गया, जिसमें विश्वविद्यालय के 12 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

चयनित विद्यार्थियों के साथ कम्पनी के अधिकारी व अन्य।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि पूल-कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव के लिए विश्वविद्यालय के बी.टैक. सी.एससी., बी.टैक. आई.टी., बी.टैक. ई.सी.ई., बी.टैक. एम.ई. व एम.सी.ए. के 150 विद्यार्थियों ने भाग लिया। उन्होंने बताया कि कम्पनी की ओर से सोनू त्यागी व दीपक ने विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा व साक्षात्कार लिया। परीक्षा के उपरान्त कम्पनी द्वारा 12 विद्यार्थियों का चयन किया गया है। ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया कि बी.टैक. सी.एस.ई. की छात्रा अनुप्रिया धीमान, कशिश, कृतिका, मानव शर्मा, मेधा दयाल, राघव खेड़ा, श्वेता व अक्षय श्रीवास्तव, बी.टैक. ई.सी.ई. की छात्रा अनू सोनी, दीपशिखा, शिवानी व पी.पी.आई.एम.टी. कालेज की नेहा सिंधवानी का चयन हुआ है। चयनित विद्यार्थी जुलाई 2018 में कम्पनी में ज्वाइन करेंगे।

पंजाब केसरी - 2/5/18

दाखिले शुरू

दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू, 27 जून तक सुधार सकेंगे आवेदन की त्रुटियां

ग्रेजुएशन और पोस्ट ग्रेजुएशन के 50 कोर्सों के लिए जीजेयू में हुए दाखिले शुरू, 22 जून तक होंगे आवेदन

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

जीजेयू में बुधवार से ग्रेजुएशन व पोस्ट ग्रेजुएशन के 50 कोर्सों के लिए दाखिला प्रक्रिया शुरू हो गई। दाखिले के लिए आवेदकों को यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर ऑनलाइन आवेदन करना होगा। ग्रेजुएशन के 16 जबकि पोस्ट ग्रेजुएशन के 32 कोर्सों के साथ-साथ बीटेक के दो अन्य कोर्सों में भी दाखिले होंगे। एमसीए, एमएससी व एमटेक कोर्स के लिए आवेदन की अंतिम तारीख 22 जून होगी जबकि बीएससी, एमएससी ऑनर्स के चार कोर्सों के लिए 8 जून तक आनलाइन आवेदन करना है। आनलाइन आवेदन में अगर कोई कमी रही तो यूनिवर्सिटी को मेल भेज कर 27 जून तक उसे ठीक करवा सकेंगे।

वेबसाइट पर अपलोड किया प्रोस्पेक्ट्स

बुधवार को जीजेयू ने अपनी वेबसाइट पर प्रोस्पेक्टस अपलोड कर दिया है। वेबसाइट पर आनलाइन आवेदन का लिंक भी डाल दिया गया है। इस बार बीटेक के दो नए कोर्स बीटेक इन सिविल इंजीनियरिंग व इलेक्ट्रिकल इंजीनियरिंग को भी शामिल किया गया है।

फिजियोथैरेपी के इन कोर्सों में शुरू हुआ आवेदन

एमपीटीएच इन स्पोर्ट्स फिजियोथैरेपी, एमपीटीएच इन कार्डियोथोरेसिक एंड प्लमरी डिसआर्डर, एमपीटीएच इन न्यूरोलॉजीकल डिसआर्डर, एमपीटीएच इन मस्कलोस्केटल डिसआर्डर व बैचलर इन फिजियोथेरेपी।

एमएससी के इन कोर्सों के लिए होगा आवेदन

-एमएससी फिजिक्स, एमएससी मैथ, एमएससी जनसंचार, एमएससी फूड टेक्नोलॉजी, एमएससी इन्वायरमेंटल साइंस, एमएससी इन केमिस्ट्री, एमएससी मनोविज्ञान, एमएससी बायोटेक्नोलॉजी, एमएससी माइक्रोबायोलॉजी, एमटेक इन कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग, एमटेक इन एन्वायरमेंटल साइंस एंड इंजीनियरिंग, एमटेक इन प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी, एमटेक इन इलेक्ट्रॉनिक्स एंड कम्युनिकेशन इंजीनियरिंग, एमटेक इन मैकेनिकल इंजीनियरिंग, एमटेक इन नैनो साइंस एंड टेक्नोलॉजी व एमटेक इन जीयो इंफॉर्मेटिक्स।

मैनेजमेंट व कॉमर्स के कोर्स

एमबीए, एमबीए फाइनेंस, एमबीए मार्केटिंग, एमबीए इंटरनेशनल बिजनेस, एमबीए पार्ट टाईम, एमकॉम व एमएससी इन अर्थशास्त्र।

जीजेयू के विभिन्न कोर्सों में दाखिले के लिए ऑनलाइन आवेदन प्रक्रिया शुरू हो गई है। यूनिवर्सिटी की वेबसाइट पर प्रोस्पेक्ट्स अपलोड कर दिया गया है।

डॉ. अनिल पूंडीर, रजिस्ट्रार, जीजेयू

अमर उजाला, 10-5-2018

र्यक्रम | जीजेयू में एडवांस इन ट्राइबोलॉजी विषय पर आयोजित कार्यक्रम में स्कूली छात्रों ने लिया हिस्सा

...वीं तक के स्टूडेंट्स के लिए जीजेयू की प्रयोगशालाएं खुलीं रही

भास्कर न्यूज | हिसार

...जेयू के कुलसचिव डॉ. अनिल ...मार पुंडीर ने कहा कि विज्ञान एवं तकनीक के विकास से ही किसी देश का विकास संभव हैं। विज्ञान एवं तकनीकी क्षेत्र में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। भारत बुनियादी शोध के क्षेत्र में शीर्ष रैंकिंग देशों में से एक हैं। डॉ. अनिल कुमार पुंडीर इंजीनियरिंग विभाग द्वारा राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य में 'एडवांस इन ट्राइबोलॉजी' विषय पर आयोजित कार्यक्रम में बतौर मुख्यातिथि बोल रहे थे। कार्यक्रम के समंवयक प्रो. एचसी गर्ग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मैसर्ज ड्यूकॉम इंस्टरूमेंट प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर के प्रोडक्ट स्पेशलिस्ट-ट्राइबोलॉजी डॉ. देवदूत पात्रों मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने कहा कि भारतीय विज्ञान विश्व के सबसे शक्तिशाली उपकरण बनाने की ओर बढ़ रहा है।

इसके बावजूद आर्थिक विकास की नई मांगों के चलते, बुनियादी ढांचे, कृषि, स्वास्थ्य, संचार और शिक्षा जैसे सभी क्षेत्रों में विज्ञान और प्रौद्योगिकी के प्रयोग को बढ़ाना अति आवश्यक है।

उन्होंने कहा कि विज्ञान और तकनीक केवल कुछ चुनिंदा क्षेत्रों तक ही सीमित न रहे बल्कि आम आदमी तक इसका फायदा पहुंचाना चाहिए। मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित मैसर्ज डयूकॉम इंस्ट्रमेंट प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलोर के प्रोडक्ट स्पेशलिस्ट-ट्राइबोलॉजी डॉ. देवदूत पात्रों ने 'एडवांस इन ट्राइबोलॉजी' विषय पर विशेष व्याख्यान दिया। राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के उपलक्ष्य में जिलेभर के 12वीं तक के सभी सरकारी व गैर सरकारी स्कूल के विद्यार्थियों के लिए विश्वविद्यालय के इंजीनियरिंग विभाग की सभी प्रयोगशालाओं को खुला रखा गया।

जिलेभर के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने प्रयोगशालाओं का विजिट किया। इस दौरान स्कूली विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के डॉ. भीम राव अम्बेडकर पुस्तकालय का भी भ्रमण किया। इस अवसर पर विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, निदेशक, प्रभारी, अधिकारी, शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

जीजेयू में एडवांस इन ट्राइबोलॉजी विषय पर कार्यक्रम के दौरान उपस्थित स्कूली विद्यार्थी।

दैनिक भास्कर- 12/5/18

राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस पर विद्यार्थियों ने किया जीजेयू की प्रयोगशालाओं का भ्रमण

जागरण संवाददाता हिसार : राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस के अवसर गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय में जिले के विभिन्न स्कूलों के विद्यार्थियों ने भ्रमण किया। इस दिन स्कूली विद्यार्थियों के लिए इंजीनियरिंग विभाग की सभी लैब खुली रखी गई। विद्यार्थियों ने उत्सुकता के साथ प्रयोगशालाओं में रखी मशीनों और उपकरणों की जानकारी ली।

इस दौरान स्कूली विद्यार्थियों ने विश्वविद्यालय के डा. भीम राव आंबेडकर पुस्तकालय का भी भ्रमण कियां। वहीं विश्वविद्यालय में इस उपलक्ष में 'एडवांस इन ट्राइबोलॉजी' विषय पर एक कार्यक्रम भी आयोजित किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के रजिस्ट्रार डा. अनिल कुमार पुंडीर मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद रहे। कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एचसी गर्ग ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। मैसर्ज डयूकॉम इंस्ट्रूमेंट प्राईवेट लिमिटेड, बैंगलुरु के प्रोडक्ट स्पेशलिस्ट-ट्राइबोलॉजी डा. देवदूत पात्रों मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित रहे।

विकसित करने होंगे तकनीकी उपकरण : मुख्य वक्ता के रूप में उपस्थित मैसर्ज डयूकॉम इंस्ट्रमेंट प्राइवेट लिमिटेड, बैंगलुरु के प्रोडक्ट स्पेशलिस्ट-ट्राइबोलॉजी डा. देवदूत पात्रों ने 'एडवांस इन ट्राइबोलॉजी' विषय पर अपना विशेष व्याख्यान दिया। उन्होंने कहा कि पर्यावरण से संबंधित समस्याओं के समाधान के लिए हमें तकनीकी उपकरणों को अधिक विकसित करना होगा। कार्यक्रम को इंजीनियरिंग संकाय के अधिष्ठाता प्रो. योगेश चाबा, कार्यक्रम के सह-समन्वयक प्रो. दीपक केडिया, प्रो. एचसी गर्ग, इंजीनियर हरकेश कुमार ने अपने विशेष व्याख्यान दिए। इस अवसर पर विभिन्न संकायों के अधिष्ठाता, निदेशक, प्रभारी, अधिकारी, शिक्षक, शोधार्थी एवं विद्यार्थी उपस्थित रहे।

कार्यक्रम के समन्वयक प्रो. एचसी गर्ग ने बताया कि 11 मई 1998 को भारत ने पोखरण में परमाणु परीक्षणों को सफलतापूर्वक पूरा करने, स्वदेशी विमान हंसा-3 के सफल परीक्षण और त्रिशुल मिसाइल की सफल परीक्षण फायरिंग के उपलक्ष्य में राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी दिवस मनाया जाता है।

गुजवि में आयोजित कार्यक्रम में मुख्यवक्ता डा. देवदूत पात्रों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित करते हुए कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर। ● जागरण

कार्यक्रम

- 'एडवांस इन ट्राइबोलॉजी' विषय कार्यक्रम का आयोजन
- प्रयोगशालाओं में रखी मशीनों और उपकरणों की जानकारी ली

दैनिक जागरण- 12/5/18

जीजेयू

लड़कियों को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए सिंगल गर्ल चाइल्ड की सुपर न्यूमेरिक सीटें एक से बढ़ाकर दो कीं

सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए दो सीटें, विदेशी छात्रों के लिए भी सुपरन्यूमेरिक सीट

जागरण संवाददाता, हिसार : जीजेयू में पिछले वर्ष पीएचडी में करीब 20 विदेशी विद्यार्थियों के दाखिले के बाद अब विश्वविद्यालय ने विदेशी छात्रों के आकर्षण को बढ़ाने के लिए सुपर न्यूमेरिक सीटों का प्रावधान किया है।

विभिन्न कोर्सों में 15 फीसद सुपर न्यूमेरिक सीटें विदेशी विद्यार्थियों के लिए अलग से होंगी। वहीं विश्वविद्यालय ने छात्राओं को पढ़ाई के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए सुपर न्यूमेनरिक सीट के प्रावधान की पहल को भी मजबूत किया है। अब विश्वविद्यालय के विभिन्न कोर्सों में सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए होने वाली सुपर न्यूमेरिक सीटों की संख्या को बढ़ाकर दो कर दिया गया है। यह फैसला दाखिलों के दौरान सिंगल गर्ल चाइल्ड के बड़ी संख्या में आने वाले आवेदनों और लड़कियों को उच्च शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने के लिए किया गया है। विश्वविद्यालय के डीन अकेडमिक अफेयर डा. राजेश मल्होत्रा ने बताया कि सभी कक्षाओं में दाखिले की तैयारियां पूरी कर ली गई हैं और विद्यार्थी आवेदन कर रहे हैं।

2016 में हुआ था सिंगल गर्ल चाइल्ड का प्रावधान

गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में प्रधानमंत्री की बेटी-बचाओ बेटी पढ़ाओ योजना को अमलीजामा पहनाने के लिए विश्वविद्यालय में पहली बार 2016 में सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए एक सुपरन्यूमेरिक सीट रखने का प्रावधान किया था। इस सीट के लिए विभिन्न कक्षाओं में बहुत अधिक दावेदार होने के कारण कई छात्राओं का दाखिला नहीं हो पाता था, जिसके बाद लगातार सुपरन्यूमेरिक सीट को बढ़ाने की मांग की जा रही थी। इसी को ध्यान में रखते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन ने सिंगल गर्ल चाइल्ड की सीट की संख्या एक से बढ़ाकर दो की हैं। विश्वविद्यालय में सिंगल गर्ल चाइल्ड के लिए दाखिले का प्रावधान केवल यूजीसी कोर्सों जैसे बीएससी, एमएससी, एमकॉम आदि में किया गया है।

जीजेयू। फाईल फोटो

यह होगा फायदा

सुपर न्यूमेरिक सीटों पर दाखिले से छात्राओं और विदेशी विद्यार्थियों को तो फायदा होगा ही। इसके साथ ही हर वर्ष मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा जारी की जाने वाली एनआइआरएफ सहित विभिन्न एजेंसियों की रैंकिंग में भी विश्वविद्यालय को फायदा मिलेगा। क्योंकि रैंकिंग के मानकों में विश्वविद्यालय में विदेशी विद्यार्थियों की संख्या और महिलाओं की संख्या को भी महत्वपूर्ण बिंदू माना जाता है।

> छात्राओं की बहुत अधिक प्रतिस्पर्धा को देखते हुए हमने सिंगल गर्ल सुपर न्यूमेरिक सीट को बढ़ाकर एक से दो कर दिया है। इससे छात्राओं को दाखिले का अधिक मौका मिलेगा और वे उच्च शिक्षा बरकरार रख सकेंगी। वहीं विदेशी विद्यार्थियों के लिए भी 15 फीसद सुपरन्यूमेरिक सीटों का प्रावधान किया गया है।
>
> \- प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति जीजेयू हिसार।

दैनिक जागरण - 13/5/18

योग्यता, रुचि और व्यक्तित्व के आधार पर चुनें विषय : विशेषज्ञ

मिशन एडमिशन : 10वीं से 12वीं के विद्यार्थियों को करियर काउंसिलिंग सेल ने दी जानकारी

जागरण संवाददाता हिसार : स्कूलों में पढ़ने वाले 10वीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों के लिए वीरवार को गुरु जंभेश्वर विश्वविद्यालय में एक सेमिनार का आयोजन किया गया। जिसमें विश्वविद्यालय के प्रोफेसर और विशेषज्ञों ने विद्यार्थियों को 12वीं के बाद किए जाने वाले विभिन्न कोर्सों की जानकारी दी। चौधरी रणबीर सिंह सभागार में विश्वविद्यालय की करियर काउंसिलिंग सेल द्वारा करियर से संबंधित आयोजित इस कार्यक्रम में करीब 500 विद्यार्थी मौजूद रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता करियर काउंसिलिंग सेल के निदेशक प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई ने की। कार्यक्रम में मनोविज्ञान विभाग के प्रो. संदीप राणा, हरियाणा स्कूल ऑफ बिजनेस के प्रो. कर्मपाल नरवाल व प्रो. संजीव कुमार विषय विशेषज्ञ के रूप में भी मौजूद रहे।

विश्वविद्यालय के मनोविज्ञान विभाग के प्रो. संदीप राणा ने कहा कि प्रत्येक विद्यार्थी में विशेष योग्यता होती है। विद्यार्थी को अपनी योग्यता, रुचि व अपने व्यक्तित्व को ध्यान में रखते हुए अपने विषयों का चयन करना चाहिए। डा. वीके बिश्नोई ने विद्यार्थियों को पाठयक्रमों में रोजगार के अवसर और विदेश में शिक्षा ग्रहण करने हेतु होने वाली सभी परीक्षाओं के बारे जानकारी दी। कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थियों द्वारा विभिन्न विषयों व करियर से संबंधित सवाल पूछे गए और विषय विशेषज्ञों द्वारा सवालों के उत्तर दिए गए।

विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए सेल के निदेशक प्रो. विनोद कुमार बिश्नोई।

मन लगाओ, रिजल्ट अच्छा होगा

प्रो. संजीव कुमार ने कहा कि विद्यार्थी को सिर्फ डिग्री के पीछे नहीं भागना चाहिए। व्यवहारिक ज्ञान का होना बहुत आवश्यक है। विद्यार्थी को सबसे पहले अपने मन पर कंट्रोल करना चाहिए। समय सारणी के अनुसार जब भी आप अध्ययन करते हैं तो आपका मुख्य बिन्दु अध्ययन ही होना चाहिए। कभी भी परिणाम की चिंता नहीं करनी चाहिए। आप ध्यान एकत्रित करके अध्ययन करते हैं, तो परिणाम अच्छा ही होगा।

मिशन एडमिशन

लक्ष्य निर्धारित करो

प्रो. कर्मपाल नरवाल ने कहा कि आज विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार पाठयक्रम नहीं चुन रहे हैं। माता-पिता अपनी सोच के अनुसार अपने बच्चों को पाठयक्रम दिलवा रहे हैं, जो गलत है। बच्चों को उनकी रुचि के आधार पर पाठयक्रम दिलवाने चाहिए। यदि विद्यार्थी अपनी रुचि के अनुसार लक्ष्य निर्धारित करता है, तो निश्चित तौर पर विद्यार्थी की आंखे अलार्म बजने से पहले खुल जाएगी। उन्होंने कहा कि विद्यार्थी को जीवन की दौड़ में आगे बढ़ना है, नंबरों की दौड़ में नहीं।

एचएयू के ग्रेजुएट्स का शीर्ष संस्थानों में हुआ दाखिला

जासं, हिसार : चौधरी चरण सिंह हरियाणा कृषि विश्वविद्यालय के 12 विद्यार्थियों का एमबीए एग्रीकल्चर बिजनेस मैनेजमेंट के आइआइएम, अहमदाबाद, आइआरएमए, आनंद आदि उच्च स्तर के संस्थानों में दाखिला हुआ है। छात्र कल्याण निदेशालय के काउंसलिंग एंड प्लेसमेंट सेल के सह-निदेशक डा. देवेन्द्र सिंह दहिया ने बताया कि इन विद्यार्थियों में से एग्रीकल्चर कालेज के 4 विद्यार्थियों सुशील कुमार, नवीन कुमार, सोनू कुमार तथा हरजिन्द्र का दाखिला आइआइएम अहमदाबाद में हुआ है। जबकि विवेक गर्ग, सतेन्द्र सिंह, प्रज्ञा और सुनील का आइआरएमए आनंद में, पंकज का मैनेज हैदराबाद में, जबकि अजय, मनीष पाल और विनोद मुंडलिया का नियाम, जयपुर में दाखिला हुआ है। अभी 3 विद्यार्थी अमन, आकाश और गगन का नाम वेटिंग लिस्ट में है। कुलपति प्रो. केपी सिंह, एग्रीकल्चर कालेज के डीन डा. केएस ग्रेवाल, डा. बीएस झोरड़, डा. धर्म पाल नांदल ने विद्यार्थियों की दाखिले पर खुशी जाहिर करते हुए उन्हें बधाई दी।

दैनिक जागरण - 18/5/18

ऑनलाइन पोर्टल खुला | बीएससी इकोनॉमिक्स ट्रेडिशनल के साथ-साथ एडवांस कोर्स भी में एडमिशन प्रोसेस

जीजेयू में बीएससी इकोनॉमिक्स व पीजी डिप्लोमा इन योग एंड फिजियोथेरेपी कोर्स में दाखिले शुरू

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू में शैक्षणिक सत्र 2018-19 से बीएससी इकोनॉमिक्स (ऑनर्स) व पीजी डिप्लोमा इन योग एंड फिजियोथेरेपी का कोर्स शुरू किए हैं। इन कोर्सों सहित विभिन्न कोर्सों में दाखिलों के लिए जीजेयू का ऑनलाइन दाखिला पोर्टल शुरू कर दिया है।

कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि समय की डिमांड को देखते हुए ये दोनों कोर्स विश्वविद्यालय में शुरू किए गए हैं। प्रदेश के अन्य शिक्षण संस्थानों में इकोनॉमिक्स को बीए के साथ जोड़कर पढ़ाया जा रहा है। बीएससी इकोनॉमिक्स ट्रेडिशनल के साथ-साथ एडवांस कोर्स भी है। उन्होंने बताया कि विद्यार्थी बीए के साथ एक विषय इकोनॉमिक्स का पढ़ रहे हैं जिसके तहत इकोनॉमिक्स से सम्बन्धित सम्पूर्ण ज्ञान विद्यार्थियों को नहीं मिल पाता है। इकोनॉमिक्स विषय की सरकारी विभागों के साथ-साथ निजी कम्पनियों में भी बहुत मांग है। विश्वविद्यालय द्वारा योग कोर्स को फिजियोथैरेपी के साथ जोड़ा गया है, ताकि योग के साथ-साथ विद्यार्थी फिजियोथैरेपी की जानकारी भी प्राप्त कर सकें। इससे योग अत्यंत उपयोगी होगा।

विद्यार्थी बीएससी इकोनॉमिक्स में 8 जून तक ले सकते हैं दाखिला

कुलसचिव डॉ. अनिल कुमार पुंडीर ने बताया कि जीजेयू में बीएससी इकोनॉमिक्स (ऑनर्स) के लिए ऑनलाइन आवेदन की अंतिम तिथि 08 जून, 2018 है। पीजी डिप्लोमा इन योग एंड फिजियोथैरेपी में दाखिले के लिए आवेदन की अंतिम तिथि 22 जून, 2018 की है। बीएससी इकोनॉमिक्स में दाखिला विश्वविद्यालय द्वारा आयोजित की जाने वाली प्रवेश परीक्षा की मेरिट के आधार पर किया जाएगा। पीजी डिप्लोमा इन योगा एंड फिजियोथेरेपी में दाखिले शैक्षणिक योग्यता की मेरिट के आधार पर होंगे। प्रवेश परीक्षा का सिलेबस व अन्य महत्त्वपूर्ण जानकारी विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर उपलब्ध है।

दैनिक भास्कर 21-5-2018

जीजेयू में ओरिएंटेशन कार्यक्रम में विश्वविद्यालयों के 30 लेक्चरर स्कूलों की तरह प्रार्थना से करेंगे शुरुआत

हिसार। मानव संसाधन विकास केन्द्र (एचआरडीसी) के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि राष्ट्र व समाज के उत्थान के लिए तकनीकी विज्ञान के साथ-साथ सामाजिक विज्ञान भी अत्यंत आवश्यक है। प्रो. नीरज दिलबागी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के तहत एचआरडीसी द्वारा शुरू किए गए। 28 दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि संबोधित कर रहे थे। कोर्स समन्वयक प्रो. वन्दना पूनिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डॉ. अनुराग सांगवान ने मंच संचालन किया। प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि विज्ञान द्वारा किए जा रहे कार्यों का प्रभाव समाज पर लम्बे समय के बाद पड़ता है। यदि हम उन्हीं कार्यों को सामाजिक विज्ञान के साथ जोड़कर करें तो वे कार्य समाज व राष्ट्र के विकाश के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होंगे। यह कार्यक्रम विज्ञान व सामाजिक विज्ञान से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर आधारित है, जिसका प्रत्येक प्रतिभागी को लाभ मिलेगा। इसके तहत मानव संसाधन विकास केन्द्र भविष्य में शोध पद्धतियों के नए मोड्यूल तैयार कर प्रतिभागियों को ऑनलाइन प्रशिक्षित करेगा। कोर्स समन्वयक प्रो. वन्दना पूनिया ने कहा कार्यक्रम में दिल्ली, पंजाब सहित प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों के कुल 30 शिक्षक भाग ले रहे हैं। यह कार्यक्रम शिक्षकों को अपने स्कूली समय की याद दिलवाएगा क्योंकि कार्यक्रम की शुरुआत प्रतिदिन प्रार्थना के साथ की जाएगी। इस कार्यक्रम को चार अलग-अलग चरणों में रखा गया है। उन्होंने बताया कि कार्यक्रम के दौरान दो सत्र रखे जाएंगे। पहले सत्र में सैद्धांतिक ज्ञान दिया जाएगा और दूसरे सत्र में उसी से संबंधित व्यवहारिक ज्ञान दिया जाएगा। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि प्रतिभागी इस कोर्स को केवल प्रमाण-पत्र लेने के लिए नहीं बल्कि अपने कौशल को विकसित करने के लिए करेंगे। कोर्स समन्वयक डॉ. अनुराग सांगवान ने धन्यवाद कर सम्बोधन प्रस्तुत किया।

दैनिक भास्कर 22-5-2018

अगले वर्ष से फर्स्ट सेमेस्टर से लागू, रिजल्ट में जुड़ेंगे मार्क्स

22 कॉलेजों में 12 हजार स्टूडेंट्स ने दी इनवायरमेंटल स्टडीज की परीक्षा

भास्कर न्यूज | हिसार

जीजेयू ने जिले के कॉलेजों में इनवायरमेंटल स्टडीज विषय की रविवार को परीक्षा आयोजित की। जिले के 22 कॉलेजों में करीब 12 हजार विद्यार्थियों ने सुबह 9.30 से 12.30 बजे तक परीक्षा दी। परीक्षा प्रथम वर्ष के स्टूडेंट्स के लिए 70 अंकों की परीक्षा थी। गौरतलब है कि यूजीसी के निर्देश के बाद जीजेयू ने जिले के कॉलेजों में इनवायरमेंट स्टडीज विषय को अनिवार्य किया है। इसके अंकों को रिजल्ट में भी जोड़ा जाएगा। गौरतलब है कि 20 मई को परीक्षा के आयोजन के लिए जीजेयू को कॉलेजों में चल रही बीएससी व बीबीए के 6 विषयों की परीक्षा को भी पोस्टपोन करना पड़ा। जिले के कॉलेजों में अगले वर्ष फर्स्ट सेमेस्टर से ही इनवायरमेंट स्टडीज विषय की परीक्षा करवाई जाएगी। इसके लिए प्रथम सेमेस्टर से इस विषय के लिए कक्षाएं भी आरंभ की जाएगी। हालांकि इस विषय की परीक्षा पहले भी आयोजित की जाती थी। मगर पहले यह सिर्फ एक क्वालिफाइंग परीक्षा के रूप में होती थी। जिससे रिजल्ट पर कोई प्रभाव नहीं होता था। मगर अब विद्यार्थियों को इसे अन्य विषयों के साथ ही पढ़ना होगा।

पहली बार बड़े स्तर पर परीक्षा

कॉलेजों में यह पहली बार है कि इतने बड़े स्तर पर किसी विषय की परीक्षा का आयोजन किया गया। क्योंकि इसमें सभी संकायों के स्टूडेंट शामिल रहे। विवि ने कॉलेजों में बोटनी, जूलॉजी आदि विषयों लेक्चरर को इस विषय को पढ़ाने के आदेश दिए हैं।"

सत्य सुरेंद्र सिंगला, प्रिंसिपल, इंपीरियल कॉलेज, हिसार।

समस्याओं को ध्यान में रखकर हो शोध के विषय का चयन : प्रो. दिलबागी

ओरिएंटेशन कोर्स के प्रतिभागियों को सम्बोधित करते निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी।

हिसार, 21 मई (पंकेस): गुरु जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के मानव संसाधन विकास केन्द्र (एच.आर.डी.सी.) के निदेशक प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि राष्ट्र व समाज के उत्थान के लिए तकनीकी विज्ञान के साथ-साथ सामाजिक विज्ञान भी अत्यंत आवश्यक है। प्रो. नीरज दिलबागी विश्वविद्यालय अनुदान आयोग के तहत एच.आर.डी.सी. द्वारा शुरू किए गए 28 दिवसीय ओरिएंटेशन कार्यक्रम के उद्घाटन समारोह को बतौर मुख्यातिथि सम्बोधित कर रहे थे। कोर्स समन्वयक प्रो. वन्दना पूनिया ने कार्यक्रम की अध्यक्षता की। डा. अनुराग सांगवान ने मंच संचालन किया। प्रो. नीरज दिलबागी ने कहा कि विज्ञान द्वारा किए जा रहे कार्यों का प्रभाव समाज पर लम्बे समय के बाद पड़ता है। यदि हम उन्हीं कार्यों को सामाजिक विज्ञान के साथ जोड़कर करें तो वे कार्य समाज व राष्ट्र के विकाश के लिए बहुत लाभदायक सिद्ध होंगे। शोधार्थियों को भी समाज से जुड़ी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए शोध के विषय का चयन करना चाहिए। यह कार्यक्रम विज्ञान व सामाजिक विज्ञान से जुड़े विभिन्न पहलुओं पर आधारित है, जिसका प्रत्येक प्रतिभागी को लाभ मिलेगा। कोर्स समन्वयक प्रो. वन्दना पूनिया ने कहा कि कार्यक्रम में दिल्ली, पंजाब सहित प्रदेश के विभिन्न महाविद्यालयों के कुल 30 शिक्षक भाग ले रहे हैं। कोर्स समन्वयक डा. अनुराग सांगवान ने धन्यवाद सम्बोधन प्रस्तुत किया।

पंजाब केसरी - 22

गुजवि के बी.टैक. छात्रों का दिल्ली कंपनी में चयन

हिसार, 23 मई (सुरेंद्र सोढी): गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के बी.टैक. कम्प्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विभाग के 9 विद्यार्थियों का चयन दिल्ली की मोबीलोयक इन्फारमेशन टैक्नोलॉजी कंपनी में हुआ है। ये विद्यार्थी विश्वविद्यालय के ट्रैनिंग एंड प्लेसमैंट सैल द्वारा आयोजित किए गए ऑफ-कैम्पस प्लेसमैंट ड्राईव में कम्पनी द्वारा चुने गए। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। ट्रैनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि ऑफ-कैम्पस प्लेसमैंट ड्राइव का आयोजन मोबोलोयक इन्फारमेशन टैक्नोलॉजी कम्पनी, दिल्ली के साथ किया गया, जो सॉफ्टवेयर बनाने का कार्य करती है।

दैनिक सवेरा 5-5-2018

ऑफ-कैम्पस प्लेसमैंट ड्राईव में गुजवि के दो विद्यार्थियों का हुआ चयन

हिसार। गुरू जम्भेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय, हिसार के ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल द्वारा ऑफ-कैम्पस प्लेसमैंट ड्राईव का आयोजन किया गया। फरीदाबाद स्थित पी.आर. पैकेजिंग लिमिटेड कम्पनी के साथ हुए प्लेसमैंट ड्राईव में विश्वविद्यालय के बी.टेक प्रिंटिंग टेक्नालॉजी विभाग के 2 विद्यार्थियों का चयन हुआ है। विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार व कुलसचिव डा. अनिल कुमार पुंडीर ने चयनित विद्यार्थियों को बधाई दी व उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की।

ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के निदेशक प्रताप सिंह मलिक ने बताया कि ड्राईव में बी.टेक प्रिंटिंग टेक्नालॉजी विभाग के 12 विद्यार्थियों ने भाग लिया। कम्पनी की सहायक मैनेजर प्रीति ने विद्यार्थियों की लिखित परीक्षा व साक्षात्कार लिया। उन्होंने प्लेसमैंट कार्यक्रम में सहयोग के लिए विभाग के अध्यक्ष डा. अम्बरीष पांडे तथा शिक्षक अनिल कुंडू का आभार व्यक्त किया। ट्रेनिंग एंड प्लेसमैंट सैल के सहायक निदेशक आदित्यवीर सिंह ने बताया कि ड्राईव में यवनिका शर्मा व नरेन्द्र कासवान का चयन हुआ है।

पांचबजे 25-5-20

निर्णय तकनीकी कोर्सों में प्रवेश की राह कठिन, संस्थानों की रैंकिंग बढ़ाने की चाह में विभाग ने लिया फैसला

ऑल इंडिया कोटे की 15 फीसद सीटों पर अब केवल हरियाणा से बाहर के विद्यार्थियों का होगा दाखिला

संदीप बिश्नोई • हिसार

हरियाणा के विभिन्न शिक्षण संस्थानों में तकनीकी कोर्सों में प्रवेश की राह और मुश्किल होने वाली है, क्योंकि ऑल इंडिया के कोटे की 15 फीसद सीटों पर अब केवल अन्य प्रदेशों के विद्यार्थी ही दावेदारी कर सकेंगे। प्रदेश के विद्यार्थियों को केवल 85 फीसद सीटों के लिए ही प्रतिस्पर्धा करनी होगी। संस्थानों की रैंकिंग बढ़ाने की चाह में तकनीकी शिक्षा विभाग ने यह फैसला लिया है। हालांकि यदि सीट रिक्त रहने पर प्रदेश के विद्यार्थियों को अवसर मिल सकता है।

संस्थानों को यहां भुगतना पड़ता है नतीजा

केवल हरियाणा के विद्यार्थियों का दाखिला होने के कारण संस्थानों को सबसे बड़ा नुकसान यह होता है कि दूसरे राज्यों के अव्वल विद्यार्थियों के बहुत कम दाखिले हो पाते थे। दूसरी तरफ मानव संसाधन विकास मंत्रालय द्वारा की जाने वाली रैंकिंग में बाहरी विद्यार्थियों की संख्या एक महत्वपूर्ण घटक होती है। दूसरे राज्यों के विद्यार्थी नहीं होने के कारण संस्थानों को रैंकिंग में नुकसान उठाना पड़ता था।

अव्वल रहते हैं दक्षिण भारत के संस्थान : हाल ही में राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआइआरएफ) की रैंकिंग में उत्तर भारत समेत देश के अन्य हिस्से के 22 राज्यों से किसी भी कॉलेज को रैंकिंग नहीं मिली थी। 90 फीसद रैंकिंग दक्षिण भारत के राज्यों के संस्थानों की थी। ऐसे में प्रदेश के तकनीकी शिक्षा विभाग ने अपनी नीति में बदलाव किया है। प्रदेश के सभी विश्वविद्यालयों और शिक्षण संस्थानों में दाखिले के लिए 15 फीसद सीटें ऑल इंडिया कोटे की रहती हैं। पहले इन 15 फीसद सीटों पर भी मेरिट में टॉप पर रहे हरियाणा के छात्र ही काबिज हो जाते थे।

> तकनीकी शिक्षा विभाग के निर्देशों के अनुरूप सभी संस्थानों के तकनीकी कोर्सों में ऑल इंडिया कोटे की 15 फीसद सीटों पर अब हरियाणा से बाहर के विद्यार्थियों को दाखिला दिया जाएगा। सीटें बची तो हरियाणा के विद्यार्थियों का दाखिला होगा। प्रदेश के शिक्षण संस्थानों को विश्वस्तरीय बनाने के लिए यह सरकार का अच्छा कदम है। -प्रो. टंकेश्वर कुमार, कुलपति, जीजेयू।

दैनिक जागरण 26-5-2018

कुशल व्यक्ति की परिवार के साथ समाज व राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण भूमिकाः टंकेश्वर कुमार

जीजेयू में प्रतिभागियों को प्रमाण-पत्र वितरित करते कुलपति टंकेश्वर कुमार।

अमर उजाला ब्यूरो

हिसार।

गुरु जंभेश्वर विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. टंकेश्वर कुमार का कहना है कि कौशल से ही सफलता संभव है। कुशल व्यक्ति न केवल अपने परिवार को आगे ले जाता है बल्कि समाज व राष्ट्र के विकास में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। सीखने की चेष्टा हमेशा बनी रहनी चाहिए।

प्रो. टंकेश्वर कुमार प्रधानमंत्री कौशल विकास परियोजना के तहत कौशल विकास के लिए करवाए गए कोर्स के प्रमाण पत्र वितरण के अवसर पर विद्यार्थियों को संबोधित कर रहे थे। कार्यक्रम का संचालन परियोजना समन्वयक प्रो. रवीश गर्ग ने किया। प्रो. टंकेश्वर कुमार ने कहा कि विद्यार्थियों को शिक्षा के साथ-साथ व्यावहारिक ज्ञान होना बहुत आवश्यक है। यदि विद्यार्थी के पास व्यावहारिक ज्ञान है तो वह किसी भी संस्थान में नौकरी प्राप्त कर सकता है। परियोजना के समन्वयक प्रो. रवीश गर्ग ने बताया कि भारत सरकार के कौशल विकास और उद्यमिता मंत्रालय के राष्ट्रीय कौशल विकास निगम के तहत विश्वविद्यालय द्वारा मेडिकल इक्विपमेंट टेक्नीशियन, मेडिकल रिकार्ड एवं हेल्थ इनफोरमेशन टेक्नीशियन व सीएनसी ऑपरेटर मशीनिंग टेक्नीशियन के कौशल-विकास कोर्स करवाए गए। उन्होंने बताया कि इस परियोजना के तहत इस वर्ष आईटी हेल्प डेस्क ऑपरेटर व डोमेस्टिक डॉटा इंट्री ऑपरेटर के दो नए कोर्स भी शुरू किए गए हैं। इस मौके पर प्रो. एसके सिंह, प्रो. विशाल गुलाटी, डा. वरूण, डा. सोनू पूनिया, डा. अरूण शर्मा, टेक्नीशियन राजेंद्र उपस्थित रहे।

अमर उजाला - 30-5-2018